# पाठ 6: मंगलेश डबराल (संगतकार)

### प्रश्न 1: संगतकार के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है?

RBSE 2020

RBSE 2026

संगतकार के माध्यम से कवि समाज के उन **गुमनाम सहयोगियों (Unsung Heroes)** की ओर संकेत करना चाह रहा है, जो किसी भी प्रसिद्ध व्यक्ति या संस्था की सफलता के पीछे निस्वार्थ भाव से कार्य करते हैं। वे स्वयं कभी सुर्ख़ियों (limelight) में नहीं आते, बल्कि पृष्ठभूमि (background) में रहकर मुख्य व्यक्ति की सफलता सुनिश्चित करते हैं, जैसे किसी भवन की नींव की ईंट।

### प्रश्न 2: संगतकार किन-किन रूपों में मुख्य गायक की मदद करते हैं?

RBSE 2023

Most Important

संगतकार निम्नलिखित रूपों में मुख्य गायक की मदद करते हैं:

1. जब मुख्य गायक कठिन सुरों में उलझ कर भटक जाता है, तो संगतकार मूल स्वर (ध्रुव पद) को पकड़े रहकर उसे वापस सही रास्ते पर लाता है।

2. जब मुख्य गायक का गला थककर बैठने लगता है, तो संगतकार अपनी आवाज़ मिलाकर उसे ढाँढस बँधाता है।

3. वह मुख्य गायक के पीछे छूट गए सुरों को समेटता है और उसे याद दिलाता है कि वह अकेला नहीं है।

### प्रश्न 3: 'और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है...' इसे विफलता क्यों नहीं समझा जाना चाहिए?

RBSE 2024

संगतकार गाते समय जान-बूझकर अपनी आवाज़ को मुख्य गायक की आवाज़ से धीमा (नीचा) रखता है और उसके स्वर में एक संकोच (हिचक) होती है। इसे उसकी विफलता (प्रतिभा की कमी) नहीं समझा जाना चाहिए, क्योंकि यह उसकी **मनुष्यता, त्याग और सम्मान की भावना** है। वह नहीं चाहता कि उसकी आवाज़ मुख्य गायक से तेज़ होकर मुख्य गायक की सफलता में कोई बाधा उत्पन्न करे।

Schorbit